प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि कुंभ 2025: उन्नत तकनीकों और नवाचारों से किसानों की आय वृद्धि होगी– मुख्यमंत्री

पंतनगर। 21 फरवरी, 2025। विश्वविद्यालय में आयोजित किये जा रहे 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा एक वृहद कृषि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा उन्होंने सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी में लगाये गये स्टालों का कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य अधिकारियों के साथ अवलोकन किया। तदोपरान्त उन्होंने इस सम्मेलन में उपस्थित अधिकारियों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों एवं कृषकों के एक विशाल सभा जहां पर लगभग तीन हजार लोग उपस्थित थे को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कृषि विज्ञान सम्मेलन के आयोजन के प्रसंगिकता को सराहा। उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा देव भूमि उत्तराखण्ड में स्थापित पन्तनगर विश्वविद्यालय में 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन को आयोजित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में नवाचारों एवं सरकार की योजनाओं पर चर्चा की तथा कहा कि उत्तराखंड सरकार कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार किसानों के हित में कई योजनाएं चला रही है, जिससे वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया, ताकि नवाचारों को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जा सके।

सम्मेलन के संयोजक एवं कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा सर्वप्रथम मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया और उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान के जरिए किसानों की आय दोगुनी करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा गर्मी के मौसम में धान की रोपाई पर प्रतिबंध लगाने की प्रशांसा की क्योंकि गर्मी में लगाये जाने वाले धान के कारण केवल भू–जल स्तर ही नहीं घट रहा था बल्कि धान की लगातार रोपाई से धान में लगने वाले कीटों का प्रकोप बढ़ता जा रहा था और उसके नियंत्रण के लिए रसायनों के प्रयोग से वातावरण दुषित हो रहा था। अतः इस प्रतिबंध से भू–जल स्तर में हो रही कमी रूक जायेगी और वातावरण में प्रदूषण भी कम रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस 'कृषि कुंभ' में 16 देशों यथा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, ब्रिटेन, यूके, जर्मनी, इटली, रोमानिया, स्लोवेनिया, थाइलेंड, फिजी, मोरक्को, जांबिया, ओमान एवं नेपाल से वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे है। इसके अतिरिक्त उद्योग जगत के प्रतिनिधि और प्रगतिशील किसान भी प्रतिभाग कर रहे है।

कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों में किसान आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजपाल सिंह, श्री बलविन्दर सिंह, श्री सुरेश राणा, श्री अमृत पाल, श्री नरेंद्र मेहरा और श्रीमती कविता देवी शामिल थे, जिन्होंने कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समापन समारोह में निदेशक शोध एवं आयोजक सचिव डा. ए.एस. नैन ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। प्रातः काल से ही 11 विषयों पर विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कृषक एवं कृषक कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार श्री गणेश जोशी उपस्थित रहेंगे।

कृषि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी।

कृषि विज्ञान प्रदर्शनी में रोबोट का अवलोकन करते माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी।

कृषि विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी।

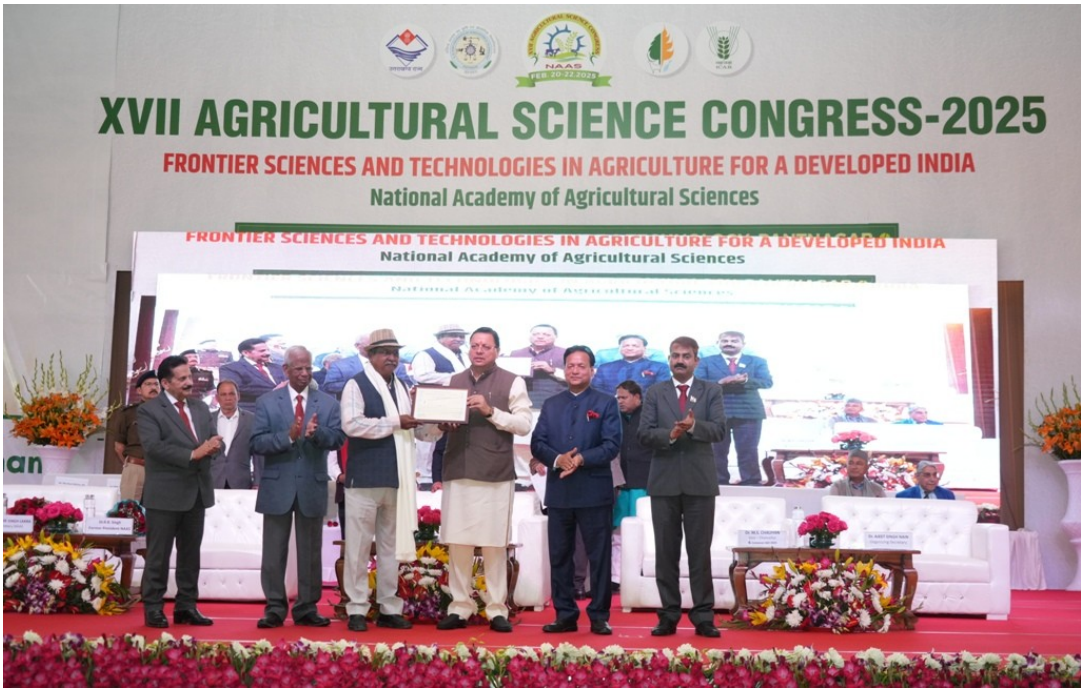

4 एवं 5. प्रगतिशील कृषक को सम्मानित करते माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी।

निदेशक संचार